गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

(नित-नूतन उपलब्धियों को हासिल करता विश्व-फ़लक पर चमकता सितारा)

जीबीयू न्यूज़लेटर
वर्ष : 2, अंक : 10, मार्च-अप्रैल, 2025
हिन्दी संस्करण

संपादकीय

बसंत ऋतु और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

मौसम के परिवर्तन के समान ही बदलती हैं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ । जनवरी से सत्र की शुरूआत हो चुकी होती है । छात्र फरवरी में अँधुआए मुँह ही अध्ययन में लगे रहते हैं, मार्च में मध्यसत्रीय परीक्षा और अकादमिक गतिविधियों में व्यस्त विभिन्न रंगों में खोए रहते हैं । मई में सत्रीय परीक्षा को देखते हुए अप्रैल माह में पाठ्यक्रम पूर्ण करने के जिम्मेदारियों के बीच विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे छात्र मंजिल पर नज़र रखते हैं । छात्रों की प्रगति विश्वविद्यालय की उपलब्धि है । छात्रों का हैकथॉन, खेल - प्रतियोगिता में लगातार बेहतर प्रदर्शन से विश्वविद्यालय हर्षित है । गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय अकादमिक राह पर अग्रसर हो रहा है । सेशन 2025-26 में स्नातक, परास्नातक, इंटीग्रेटेड और शोध कार्यक्रमों में नवीन पाठ्यक्रमों बी.एससी. (ऑनर्स) क्लिनिकल साइकोलॉजी, मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स, एम.एससी. (ऑपरेशंस रिसर्च और कंप्यूटर एप्लीकेशंस), एम.एस.डब्ल्यू (मेडिकल साइकियाट्रिक सोशल वर्क), मास्टर ऑफ डिज़ाइन (इंटीरियर डिज़ाइन), इंटीग्रेटेड बी.एससी.-एम.एससी. (आयुर्वेद बायोलॉजी), इंटीग्रेटेड बी. प्लान – एम. प्लान, इंटीग्रेटेड एम.एससी.-पीएचडी (लाइफ साइंसेज एवं सिस्टम्स मेडिसिन), बी.टेक. (मैकेनिकल इंजीनियरिंग वीकेंड), पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (साइको-सोशल रिहैबिलिटेशन) की शुरुआत हो रही है । साथ ही कुलपति द्वारा जिम्स हॉस्पीटल में दर्द एवं कैंसर के मरीजों के लिए ओपीडी खोलने की सलाह, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को जीवंत बनाने के पहल, सीएसआर मैगज़ीन द्वारा प्रतिष्ठित 'सीएसआर टॉप यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर' पुरस्कार प्राप्त होना आदि विश्वविद्यालय के असाधारण शैक्षणिक प्रदर्शन और उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता, नवाचार और समावेशिता की संस्कृति को दर्शाता है। पिछले वर्ष की उपलब्धियों से प्रेरित हो नई योजनाओं के साथ विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हो रहा है ।

*****

मुख्य संपादक की क़लम से...

अकादमिक गतिविधियाँ

1. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस : 1 मार्च को स्कूल ऑफ़ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज के एप्लाइड फिज़िक्स विभाग के सीवी रमन क्लब द्वारा 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025' का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कालिंदी कॉलेज की भौतिकी विभाग की प्रोफेसर प्रो. पुष्पा बिंदल रहीं । उन्होंने विज्ञान की दैनिक जीवन में परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अनुसंधान और नवाचार की दिशा में प्रोत्साहित किया। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी नवाचार की महत्ता पर व्याख्यान देते हुए छात्रों को आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों के आविष्कार का निरीक्षण करते हुए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी तथा अन्य प्राध्यापकगण

इस अवसर पर पोस्टर प्रेजेंटेशन, मॉडल मेकिंग, प्रश्नोत्तरी और लाइव प्रयोग सहित अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिसमें छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक समझ का प्रदर्शन किया। पोस्टर प्रेजेंटेशन में गौरांग ने क्रिप्टोग्राफिक अनुप्रयोगों के लिए क्वांटम कंप्यूटिंग विषय पर शोध पोस्टर के लिए प्रथम स्थान, पूजा मंडल का इग्नाइटिंग यंग माइंड्स शीर्षक सामान्य पोस्टर श्रेणी, मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता में वर्तिक चौरसिया ने इंट्रावेनस अलर्ट सिस्टम के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया ।

****

2. त्रिदिवसीय विपस्सना कार्यशाला : 1 से 3 मार्च तक बौद्ध सभ्यता एवं अध्ययन विभाग द्वारा महात्मा जोतिबा फुले ध्यान केन्द्र में आयोजित त्रिदिवसीय विपस्सना कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विपस्सनाचार्य भन्ते धम्मदीप ने विपस्सना साधना के लाभों पर प्रकाश डालते हुए इसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों की चर्चा की। बौद्ध सभ्यता एवं अध्ययन विभाग की अधिष्ठाता प्रो. श्वेता आनंद ने ध्यान के महत्व और इसके माध्यम से जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलावों पर विचार साझा किए। इस दौरान कार्यशाला के प्रतिभागियों अनिल कुमार और सीजा सिंह सहित अन्य सहभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि किस प्रकार विपस्सना से उन्हें - मानसिक शांति और आत्मनिरीक्षण में सहायता मिली। विपस्सना कोर्स के समन्वयक डॉ. मेश्राम, डॉ. चिन्ताला वेंकटा सिवासाई, डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य, डॉ. प्रियदर्शिनी मित्रा, विक्रम सिंह और कविता सहित विशिष्ट अतिथियों ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

त्रिदिवसीय विपस्सना कार्यशाला में प्राध्यापकगण एवं प्रतिभागी

कार्यक्रम के समापन सत्र का सफल संचालन कविता ने किया, जिसमें नवनीत मौर्य ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस कार्यशाला ने ध्यान और आत्म-संयम की महत्ता को रेखांकित किया और प्रतिभागियों को आंतरिक शांति व जागरूकता की ओर प्रेरित किया।

****

3. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : 8 मार्च को मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' का भव्य आयोजन किया गया । यह महिला दिवस समारोह पुण्यश्लोका लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को समर्पित किया गया। यह वर्ष पुण्यश्लोका लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी समारोह के लिए समर्पित था। इस अवसर पर अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और विरासत पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रदर्शित की गयी, जिसमें भारतीय इतिहास में उनके उल्लेखनीय योगदान पर प्रकाश डाला गया।

इस कार्यक्रम में पंजाब केसरी की निदेशक श्रीमती किरण चोपड़ा एवं वरिष्ठ टीवी पत्रकार अदिति त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने किया । इस अवसर पर श्रीमती किरण चोपड़ा ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज अगर हमारे भारत में संस्कार, सभ्यता और संस्कृति जीवित है तो उसके लिए हमें महिलाओं को श्रेय देना चाहिए । महिलाएँ हमेशा अपनी सभ्यता और संस्कृति को सँजो कर रखती हैं। श्रीमती चोपड़ा ने आगे कहा कि अगर एक महिला चाह ले तो वह सारी सृष्टि को बदल सकती है, नेपोलियन ने भी कहा था कि "मुझे एक योग्य महिला दे दीजिए, मैं आपको एक योग्य राष्ट्र दे सकता हूँ।

वरिष्ठ टीवी पत्रकार अदिति त्यागी ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा करते हुए सभी से आग्रह किया कि वे हर दिन को महिला दिवस के रूप में मना सकते हैं। उन्होंने कहा कि जानकारी सशक्तिकरण की कुंजी है, उन्होंने धारणा और तथ्य के बीच-

महत्वपूर्ण अंतर को समझाते हुए स्रोतों की पुष्टि और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किया।

'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय, अदिति त्यागी तथा छात्राएँ

गौतम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने महिला दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि आज का विशेष दिवस पूरी तरह से महिलाओं को समर्पित है। हमे अपनी शरीर में जो ऊर्जा मिलती है वह हमारी माता की देन होती है, क्योंकि माइटरोकोन्ड्रिया किसी भी शिशु को अपनी माता से ही प्राप्त होती है, न कि अपनी पिता से । हमें उस मातृशक्ति का हर दिन नमन करना चाहिए, जिनके हम अंशमात्र हैं ।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की आधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमें इतनी शक्ति देना कि हमें कोई महिला दिवस या पुरुष दिवस मनाने की आवश्यकता ही न पड़े क्योंकि जहाँ माँ बैठी हों, उस संसार में कोई विषमता नहीं होती । उन्होंने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थान में किसी भी तरह का जेंडर पूर्वाग्रह नहीं होता है । हालांकि बेटियाँ जो होती है वह पूरी संस्कृति की संवाहक होती हैं इसलिए हम उन्हें ज्यादा प्यार देते हैं । उन्होंने जीजाबाई, लक्ष्मीबाई और अहिल्याबाई होल्कर सहित अपनी व्यक्तिगत प्रेरणाओं को साझा किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजरी सुमन एवं करुणा सिंह ने किया। इस अवसर पर भारी संख्या में विश्वविद्यालय तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के कई विभागाध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य और अधिकांश छात्र-छात्राएँ शामिल रहें ।

****

4. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय और माइक्रोसॉफ्ट ने एमएसएलई फाउंडेशनल एआई बूटकैंप की मेजबानी की : 8 मार्च को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संकाय ने माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से और आईएनबीआईओटी प्राइवेट लिमिटेड की सहायता से एमएसएलई फाउंडेशनल एआई बूटकैंप का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया। यह दो-दिवसीय हाइब्रिड कार्यक्रम माइक्रोसॉफ्ट के एआई-केंद्रित पाठ्यक्रम और संसाधनों के साथ शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्कूल ऑफ आईसीटी के 70 से अधिक संकाय सदस्यों ने इस विशेष कार्यक्रम में भाग लिया, जो प्रमाणन वाउचर, माइक्रोसॉफ्ट एआई लैब तक पहुंच और संस्थानों के लिए ब्रांडिंग संसाधनों सहित कई शैक्षणिक लाभ प्रदान करता है। प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक पूरा होने पर बूटकैंप कोर्स पूरा होने का प्रमाण पत्र और भागीदारी प्रमाण पत्र दोनों प्राप्त होंगे।

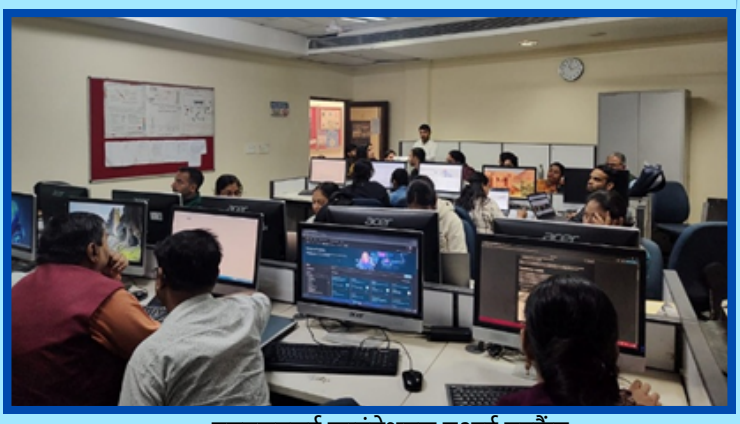

एमएसएलई फाउंडेशनल एआई बूटकैंप

इस कार्यक्रम को स्कूल ऑफ आईसीटी के अधिष्ठाता डॉ. अर्पित भारद्वाज तथा कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. अरुण सोलंकी ने प्रशिक्षक कृष्ण कुमार और प्रतिभागियों का स्वागत किया। यह कार्यक्रम भौतिक और आभासी दोनों ही माध्यम से आयोजित किया गया, जिससे अधिक से अधिक प्रतिभागियों को माइक्रोसॉफ्ट एआई तकनीकों के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का मौका मिला।

****

5. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित एआई और एमएल कार्यशाला : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ के तत्वावधान में 8 मार्च को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग' विषय पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री चंद्र मोहन सिंह थे, वे सॉफ्टवेयर उद्योग में वरिष्ठ एआई विशेषज्ञ हैं और वर्तमान में नवीनतम एआई उद्योग उपकरणों पर काम कर रहे हैं।

निदेशक, सीआरसी डॉ. विनय लिटोरिया तथा जीबीयू के पूर्व छात्र

इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के आधुनिक पहलुओं से अवगत कराना और उन्हें उद्योग में उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

****

6. भारतीय सेना के लिए व्यापक ड्रोन पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन : 24 मार्च को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने भारतीय सेना के लिए व्यापक ड्रोन पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह प्रशिक्षण सत्र जीबीयू के केंद्र ऑफ एक्सीलेंस इन ड्रोन टेक्नोलॉजी, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संकाय में आयोजित किए गए थे, जिसका उद्देश्य सशस्त्र बलों के संचालन को आधुनिक बनाना और ड्रोन पायलटिंग में कौशल को बढ़ाना है।

प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह

इस कार्यक्रम में ड्रोन प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं, जैसे निर्माण, डिज़ाइन, मरम्मत और पायलटिंग आदि विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने विभिन्न राज्यों से सेना के कर्मियों को ड्रोन पायलट प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किया तथा सभा को संबोधित किया कि यह पहल सशस्त्र बलों के संचालन को आधुनिक बनाने और ड्रोन संचालन के लिए अत्याधुनिक कौशल प्रदान करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। यह कार्यक्रम इच्छुक ड्रोन पायलटों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने का उद्देश्य है, ताकि वे तेजी से बढ़ते हुए ड्रोन संचालन क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें" । आगे उन्होंने कहा, "सीईडीटी जीबीयू का डीजीसीए-प्रमाणित प्रशिक्षण केंद्र ऐसा पहला केंद्र है जो वितरित शिक्षा की पेशकश करता है, जिससे सेना के कर्मियों को लचीलापन के साथ अपने पाठ्यक्रम को पूरा करने का अवसर मिलता है। यह प्रमाणपत्र कार्यक्रम वैश्विक मानकों के अनुसार ड्रोन प्रशिक्षण प्रदान करता है और भारत में ड्रोन संचालन की सुरक्षा और दक्षता में योगदान करेगा"।

कुलपति प्रो. राणा. प्रताप सिंह, प्राध्यापकगण तथा भारतीय सैनिक

इस कार्यक्रम में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संकाय के अधिष्ठाता डॉ. अर्पित भारद्वाज, संकाय सदस्य डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. अरुण सोलंकी, डॉ. विदुषी शर्मा, डॉ. अनुराग सिंह बघेल, डॉ. विमलेश कुमार राय, डॉ. आरती गौतम और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी और इस पहल के महत्व को रेखांकित किया।

****

7. अडानी सीमेंट निर्माण प्लांट का औद्योगिक दौरा : 8 मार्च को आर्किटेक्चर एंड रीजनल प्लानिंग विभाग के छात्रों ने दादरी स्थित अडानी सीमेंट निर्माण प्लांट का औद्योगिक दौरा किया गया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य वास्तुकला एवं इंटीरियर डिजाइन के छात्रों को सीमेंट निर्माण की व्यावहारिक प्रक्रिया से अवगत कराना था।

दौरे का नेतृत्व विभागाध्यक्ष ए.आर. अनंत प्रताप सिंह, ए.आर. माधुरी अग्रवाल, ए.आर. राधिका चौहान और ए.आर. आलोक वर्मा ने किया। छात्रों को पीपीसी और ओपीसी सीमेंट निर्माण के विभिन्न तकनीकी चरणों की जानकारी दी गई। इस दौरान उद्योग विशेषज्ञ करुणेश वर्मा, प्रशांत शुक्ला और शैलेन्द्र द्वारा उत्पादन की बारीकियों और तकनीकी पहलुओं को विस्तार से समझाया गया।

अडानी सीमेंट निर्माण प्लांट का औद्योगिक दौरा करते हुए प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी

इस अवसर पर छात्रों ने फैक्ट्री में निर्माण कार्य की वास्तविकता को देखा और सीमेंट के उपयोग को व्यावसायिक दृष्टिकोण से समझने का प्रयास किया। विभाग की ओर से कहा गया कि इस प्रकार के औद्योगिक दौरों से छात्रों में नवाचार, रचनात्मकता और उद्योग से जुड़ाव की भावना को बल मिलता है।

****

8. सांस्कृतिक विरासत पर विशेषज्ञ वार्ता : 9 अप्रैल को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के वास्तुकला और क्षेत्रीय नियोजन विभाग ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें प्रतिष्ठित संरक्षण वास्तुकार निशांत उपाध्याय ने सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर एक विशेषज्ञ वार्ता दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विरासत संरक्षण की तकनीकों, सिद्धांतों और उनके आधुनिक दृष्टिकोण के महत्व को समझाना था।

निशांत उपाध्याय, 'धरातल' डिज़ाइन फर्म के संस्थापक हैं और जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूनेस्को (यूएनईएससीओ), आईसीओएमओएस तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर चुके हैं । उन्होंने अपने अनुभव साँझा करते हुए कहा कि किस प्रकार आधुनिक वास्तुकला में पारंपरिक विरासत-

को संरक्षित करते हुए समग्र विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। आगे उन्होंने छात्रों को समझाया कि विरासत संरक्षण परियोजनाओं को समग्र दृष्टिकोण से देखना चाहिए, जिसमें सांस्कृतिक और पर्यावरणीय पहलुओं को प्राथमिकता दी जाए।

वास्तुकार निशांत उपाध्याय, प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएँ

इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष ए.आर. अनंत प्रताप सिंह, ए.आर. माधुरी अग्रवाल, डॉ. निर्मिता मेहरोत्रा और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। यह वार्ता छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी, जिसमें उन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में काम करने की अहमियत समझायी गई है।

****

9. राष्ट्रीय संग्रहालय का दौरा : 11 अप्रैल को प्रो. बंदना पाण्डेय तथा डॉ. विवेक मिश्रा के निर्देशन में इतिहास व सभ्यता विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली का दौरा किया । जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना था

राष्ट्रीय संग्रहालय में इतिहास व सभ्यता विभाग के विद्यार्थी

भ्रमण में डॉ. ऋतिका जोशी, डॉ. संगीता, डॉ. विवेक पचौरी, डॉ. उपेन्द्र, डॉ. आलोक, डॉ. सुधीर, डॉ. मुकेश वर्मा ने छात्रों का सहयोग एवं मार्गदर्शन किया ।

****

10. इग्निटेशन टेक-फेस्ट 2025 : 11 से 13 अप्रैल तक स्कूल ऑफ आईसीटी द्वारा इग्निटेशन टेक-फेस्ट 2025 का आयोजन किया गया । यह विश्वविद्यालय का नवाचार, रचनात्मकता और तकनीकि उत्कृष्टता पर आधारित प्रज्वलन प्रौद्योगिकी महोत्सव है

इग्निटेशन टेक-फेस्ट 2025 में प्राद्यापकगण तथा प्रतिभागी

इस अवसर पर भारत के विभिन्न संस्थानों से विद्वान एवं छात्र पधारे थे । गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने अपने व्याख्यान में तकनीकि प्रगति को मानवीय मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया ।

****

11. 'साइबर एवं सूचना सुरक्षा अनुप्रयोगों के उत्कृष्टता केंद्र' का उद्घाटन : 12 अप्रैल को भारत में साइबर सुरक्षा और डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस – साइबर एंड इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी एप्लिकेशंस (सीओई-सीआईएसए)' का विधिवत उद्घाटन किया गया।

'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस – साइबर एंड इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी एप्लिकेशंस' के उद्घाटन की कुछ झलकियाँ

इस विशेष अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय एवं अंतर्राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा कानून आयोग के संस्थापक एवं अध्यक्ष तथा अधिवक्ता डॉ. पवन दुग्गल मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पूर्व विशेष कार्याधिकारी श्री देवी सिंह सिलोतिया रहें। डॉ. दुग्गल ने अपने वक्तव्य में कहा "डिजिटल परिवर्तन के इस युग में इस प्रकार के उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना न केवल समयोचित है, बल्कि अत्यंत आवश्यक भी है। सीओई-सीआईएसए भारत के साइबर इकोसिस्टम में प्रतिभा और नवाचार का एक सशक्त केंद्र बनेगा"। जीबीयू के आईसीटी स्कूल के अधिष्ठाता डॉ. अर्पित भारद्वाज और सीएसई विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण सोलंकी ने युवाओं को कौशल प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने के महत्व पर जोर दिया, जो साइबर खतरों और डिजिटल कमजोरियों की बढ़ती चुनौतियों का समाधान कर सकें। सीओई-सीआईएसए की समन्वयक डॉ. आरती गौतम दिनकर ने कहा "सीओई-सीआईएसए अनुभव आधारित शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का केंद्र होगा—जहाँ विद्यार्थियों और पेशेवरों के लिए कौशल-आधारित पाठ्यक्रम, कार्यशालाएँ और लाइव इंडस्ट्री सहयोग उपलब्ध कराए जाएंगे।" इस अवसर पर प्रमुख उद्योगपतियों और सहयोगी संस्थानों के गणमान्य प्रतिनिधियों डॉ. बी. पी. शर्मा, निदेशक, माई प्लेसमेंट एजुकेशन प्रा. लि., श्री कुनाल शर्मा, निदेशक, ट्रोजन हंट प्रा. लि.,अमन जैन, उपाध्यक्ष, इन्फोसिस लि., सचिन मांचंदा, निदेशक, फ्रैंचाइज़ हब प्रा. लि., आदित्य त्यागी, सुधामृत इंडिया सॉल्यूशंस प्रा. लि., शिव चौधरी, निदेशक, साइबर्टिक इंडिया प्रा. लि., सुश्री द्विवेदिता शर्मा, चीफ़ ऑफ स्टाफ, साइबर्टिक इंडिया प्रा. लि., की उपस्थिति रही, जिन्होंने सीओई-सीआईएसए के मिशन को अपना समर्थन देने का आश्वासन दिया ।

****

12. भारत रत्न बोधिसत्व डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर विशेषज्ञ व्याख्यान : 14 अप्रैल को भारत रत्न बोधिसत्व डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में डॉ. अम्बेडकर सेन्टर फॉर द स्टडीज़ ऑफ ह्युमन राइट्स द्वारा 'डॉ. अम्बेडकर और आधुनिक भारत में राष्ट्र निर्माण की प्रक्रियाएँ' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईटीबीपी के डीआईजी श्री नरेन्द्र सिंह और सम्मानित अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रो. राज कुमार रहें ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने डॉ. अम्बेडकर के मुख्य उद्घोष 'शिक्षित बनो, आंदोलन करो, संगठित हो' का सूक्ष्मता से विश्लेषण करते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने मन और दिमाग को केन्द्रित कर सत्य-असत्य में भेद करते हुए आंदोलन को समझना होगा, तभी समाज और देश को संगठित करने का प्रयास कर पायेगा । आगे उन्होंने यह भी बताया कि संसद के अंदर अंबेडकर वह विभूति थे, जिन्होंने डटकर अनुच्छेद 370 का विरोध किया था । साथ ही अनुच्छेद 14 व 15 को आपके जीवन के अभिन्न हिस्से के साथ, भारत के विकास में ग्रामीण जीवन के उत्थान हेतु अपने विचारों को युवाओं तक पहुँचाया ।

भारत रत्न बोधिसत्व डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर कुलपति राणा प्रताप सिंह, प्राध्यापकगण

प्रो. राजकुमार ने अपने व्याख्यान में कहा कि डॉ. अम्बेडकर के तीन गुरू गौतम बुद्ध, कबीर और फुले थे, जिनका उनके जीवन पर प्रभाव था । उन्होंने अपने गुरूओं से शिक्षा लेते हुए राष्ट्र के मजबूत आधुनिक निर्माण में व्यावहारिक एवं आलोचनात्मक चेतना के निर्माण पर बल दिया था । गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अम्बेडकर ने शिक्षा हासिल की । अपनी शिक्षा और संघर्ष के कारण ही लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में इनकी प्रतिमा लगी हुई है । मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय ने छात्रों को डॉ. अम्बेडकर से सीख लेने के लिए प्रेरित किया । डॉ. अम्बेडकर सेन्टर फॉर द स्टडीज़ ऑफ ह्युमन राइट्स के अध्यक्ष डॉ. चन्द्रभानु भरास ने डॉ. अम्बेडकर के सिद्धांतों पर विस्तृत प्रकाश डाला । इस कार्यक्रम से विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी लाभान्वित हुए ।

****

13. 'सिद्धं कैलीग्राफी – रूप-ब्रह्म की अभिव्यक्ति' का आयोजन : 15 से 17 अप्रैल तक ज्योतिबा फुले ध्यान केंद्र में तीन दिवसीय विशेष प्रदर्शनी 'सिद्धं कैलीग्राफी – रूप-ब्रह्म की अभिव्यक्ति' का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस प्रदर्शनी का आयोजन बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग द्वारा इंटरनेशनल सेंटर फॉर कल्चरल स्टडीज और तत्वम् फाउंडेशन के सहयोग से किया गया है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह एवं वें. लामा छोपेल ज़ोत्पा, डिप्टी सेक्रेटरी जनरल, इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फेडरेशन द्वारा किया गया। इस अवसर पर वें. भिक्षु दो-वूंग, जो इस प्रदर्शनी के क्यूरेटर हैं, सहित अनेक विद्वान, कलाकार, संस्कृति प्रेमी, छात्र, भिक्षु और भिक्षुणियाँ उपस्थित रहीं।

अपने भाषण में वें. भिक्षु दो-वूंग ने सिद्धं लिपि के विकास और उसकी भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शनी संस्कृति विनिमय का सेतु है, जो भारतीय और पूर्वी एशियाई बौद्ध परंपराओं को जोड़ती है। उन्होंने कहा कि सिद्धं लिपि, ब्राह्मी लिपि की परिष्कृत शाखा है, जिसने छठी से आठवीं शताब्दी ईस्वी के दौरान चीन, कोरिया और जापान में बौद्ध शिक्षाओं के प्रसार में अहम भूमिका निभाई, विशेषकर मंत्रयान परंपरा के माध्यम से जिसमें मंत्रों की रहस्यमय शक्ति पर विश्वास किया जाता है। प्रो. राणा प्रताप सिंह ने सिद्धं लिपि की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्ता पर

पर प्रकाश डाला और यह भी कहा कि लेखन कला ही मनुष्यों को अन्य प्राणियों से अलग करती है तथा ज्ञान के संरक्षण का माध्यम है।

बायें से वें. भिक्षु दो-वूंग, प्रो. राणा प्रताप सिंह

प्रो. श्वेता आनंद, अधिष्ठाता, बौद्ध अध्ययन विभाग ने अपने स्वागत भाषण में प्राचीन विरासत को संरक्षित करने में भाषा की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने इसे भारतीय ज्ञान प्रणाली और नई शिक्षा नीति 2020 से जोड़ते हुए कहा कि भाषाओं और लिपियों के प्रचार-प्रसार की दिशा में यह प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदर्शनी में यह भी बताया गया कि अमोघवज्र, शुभाकरसिंह और वज्रबोधि जैसे बौद्ध आचार्यों ने सिद्धं लिपि के माध्यम से बौद्ध मंत्रों और ग्रंथों को लिपिबद्ध कर पूर्वी एशिया में फैलाया। आज भी सिद्धं लिपि को वहाँ धार्मिक अनुष्ठानों में पवित्र माना जाता है।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने प्रदर्शनी की विशेषताओं पर प्रकाश डाला । डॉ. चिंताला वेंकट शिवसाई, सह-संयोजक ने कहा कि यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का प्रतीक है तथा यह कला, इतिहास और अध्यात्म के संगम से प्राचीन ज्ञान की पुनर्पुष्टि का माध्यम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षक डॉ. प्रियदर्शिनी मित्रा, डॉ. चंद्रशेखर पासवान, डॉ. ज्ञानदित्य शाक्य, डॉ. मनीष मेश्राम, विक्रम सिंह, डॉ. चंदन कुमार, डॉ. नीरज यादव, डॉ. ओमवीर सिंह, डॉ. संदीप कुमार द्विवेदी सहित छात्र-छात्राएँ उपस्थिति रहें।

****

14. आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन का भ्रमण : 16 अप्रैल को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग (आईटीईपी, बी. एड., एम. ए. शिक्षा शास्त्र) के छात्रों ने आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन का भ्रमण किया । इस शैक्षिक भ्रमण के मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना, उनकी रुचि बढ़ाना, सामाजिक कौशल का विकास करना, रचनात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा शिक्षक शिक्षा जगत में होने वाले नवाचारों से परिचित कराना था। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने संस्थान में स्थित विभिन्न प्रयोगशालाओं जैसे पाठ्यक्रम निर्माण, शिक्षण सहायक सामग्री निर्माण, शिक्षण -

आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन के शैक्षिक भ्रमण के अवसर पर प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी

नवाचार एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण का वास्तविक अनुभव एवं विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ प्राप्त की। संस्थान की विभिन्न प्रवक्तागणों द्वारा छात्र-छात्राओं को नवीन शिक्षण विधियाँ एवं शिक्षक सहायक सामग्री के निर्माण संबंधी उपयोगी एवं रुचिकर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। परिचर्चा सत्र के दौरान विभिन्न विद्यार्थियों डिंपल, पूजा, शालिनी आदि ने शिक्षण संबंधी प्रश्नों के उत्तर प्राप्त कर जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा इस भ्रमण को सार्थक एवं उपयोगी बताया।

संस्थान की प्राचार्या महोदया डॉ. अभिलाषा गौतम ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को शिक्षण पेशे से संबंधित कर्तव्यों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों का उल्लेख किया, साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को सदैव सीखते रहने एवं नवाचारों से अवगत रहने के लिये प्रेरित किया एवं शिक्षकों द्वारा भी आवश्यकतानुसार शिक्षण विधियों का चयन एवं प्रयोग करने पर बल दिया। आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजूकेशन एवं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय शिक्षण एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से पारस्परिक रूप से भविष्य में भी सहयोगी संवाद एवं सहभागिता का निर्वहन करने का समर्थन किया। शैक्षिक भ्रमण के अतुलनीय एवं उपयोगी अवसर प्रदान करने के लिए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय शिक्षक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से डॉ. श्रुति कंवर ने आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजूकेशन के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त कर भविष्य में भी सहयोग हेतु आश्वस्त किया। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ राकेश कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में विभागीय प्रवक्ताणों डॉ. ममता रानी, डॉ. शालिनी भारद्वाज एवं डॉ. वैशाली ने भ्रमण आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

****

15. भारतीय ज्ञान परंपरा पर विशेषज्ञ व्याख्यान : 16 अप्रैल को मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय के नेतृत्व में भारतीय ज्ञान परंपरा पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में भारतीय एवं सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सचिव प्रो. धनंजय सिंह मुख्य वक्ता एवं अतिथि के रूप में शामिल हुए । कार्यक्रम की अध्यक्षता गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने किया ।

इस अवसर पर प्रो. धनंजय सिंह ने अपने व्याख्यान में कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था को औपनिवेशीकरण की मानसिकता से मुक्त होकर अब अपनी समृद्ध भारतीय ज्ञान परंपरा की विरासत को आगे बढ़ाने की जरूरत है । चूंकि आज़ादी के बाद वर्षों तक इस क्षेत्र में कार्य नहीं के बराबर हुआ है पर अब हमें अपने सोचने का तरीका बदलने की जरूरत है । उन्होंने आगे कहा कि कौटिल्य ने

उस समय सुनियोजित ग्राम की बात की थी, जब पूरे संसार में ऐसी अवधारणा नहीं थी, हमें विचार करना चाहिए कि हमारी ज्ञान परंपरा कितनी समृद्ध और प्राचीन है ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में जहाँ अव्यक्त-अभिव्यक्त और महाभूत-पंचमहाभूत की चर्चा होती है जिसका स्पष्ट संबंध विज्ञान के एटम और मौलिक्यूल्स के साथ है, वहीं जब हम प्रकृति की बात करते हैं तो उससे हमें संतुलन का ज्ञान प्राप्त होता है और बिना संतुलन के किसी वैज्ञानिक सिद्धांत की प्रमाणिकता साबित नहीं की जा सकती है

बायें से कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, आईसीएसएसआर के सचिव प्रो. धनंजय सिंह तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय

अपने स्वागत में वक्तव्य में मानविकी व सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय ने कहा कि यदि आपके पास ज्ञान है तो किसी और चीज की आवश्यकता नहीं है । वहीं यदि सारा ज्ञान हमें प्राप्त भी हो जाता है तब भी यदि किसी और ज्ञान के मार्ग खोजने की आवश्यकता है तो वह मार्ग हमें भारतीय ज्ञान परंपरा में ही मिल सकता है, अन्य कहीं भी नहीं । इस कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति से सफल बनाया

****

16. विलियम शेक्सपियर जयंती : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने विश्व साहित्य में सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों में से एक विलियम शेक्सपियर की जयंती मनाने के लिए एक जीवंत और बौद्धिक रूप से प्रेरक सप्ताह भर का समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया। 18 से 23 अप्रैल, 2025 तक आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों ने रचनात्मक और शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला में भाग लिया, जिसका समापन 23 अप्रैल को एक भव्य समापन समारोह में हुआ, जिसे पारंपरिक रूप से शेक्सपियर के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है।

इस सप्ताह शेक्सपियर की साहित्यिक विरासत को तलाशने और उसका जश्न मनाने के लिए कई तरह के इंटरैक्टिव कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें एक "सॉनेट स्लैम" शामिल था, जिसमें छात्रों ने क्लासिकल शेक्सपियर के सॉनेट- और बार्ड की शैली में मूल रचनाएँ सुनाईं; "चरित्र चित्रण", जिसमें प्रतिष्ठित शेक्सपियर के पात्रों के नाटकीय प्रदर्शन शामिल थे; और "कोट म्यूरल", जिसमें साहित्यिक प्रशंसा को दृश्य कला के साथ जोड़ा गया, क्योंकि छात्रों ने प्रसिद्ध उद्धरणों की सचित्र व्याख्याएँ प्रस्तुत कीं।

अन्य मुख्य आकर्षणों में “सोलिलोक्वी शोकेस” शामिल था, जिसमें शेक्सपियर के प्रसिद्ध एकालापों की शक्तिशाली प्रस्तुतियाँ पेश की गईं, और एक उत्साही “शेक्सपियर क्विज़” जिसने प्रतिभागियों को नाटककार के जीवन, कार्यों और ऐतिहासिक संदर्भ पर परीक्षण किया। प्रत्येक कार्यक्रम में विभिन्न विषयों के छात्रों की उत्साही भागीदारी थी, जिसने उत्सव को साहित्यिक और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के लिए एक गतिशील मंच में बदल दिया।

अंग्रेजी विभाग में आयोजित विलियम शेक्सपियर जयंती पर अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय सभा को संबोधित करते हुए

23 अप्रैल को आयोजित ग्रैंड फिनाले में प्रत्येक श्रेणी के फाइनलिस्टों को विश्वविद्यालय के व्यापक दर्शकों के सामने पेश किया गया। समापन प्रदर्शनों और प्रस्तुतियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में संकाय सदस्य और छात्र एकत्रित हुए। मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय की डीन प्रो. बंदना पांडे ने इस पहल के लिए अंग्रेजी विभाग की सराहना की और आज की दुनिया में शेक्सपियर की निरंतर प्रासंगिकता पर टिप्पणी की।

इस समारोह ने छात्रों को एक समृद्ध अनुभव प्रदान किया जिसमें रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और अंत:विषयक शिक्षा का संयोजन था। एवन के बार्ड को याद करने के अलावा, इन कार्यक्रमों ने परिसर में साहित्यिक संस्कृति को बढ़ावा दिया और शास्त्रीय साहित्य के साथ गहन जुड़ाव को प्रेरित किया।

अंग्रेजी विभाग ने विश्वविद्यालय प्रशासन, संकाय सदस्यों और छात्र स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया। सप्ताह भर चलने वाले इस समारोह ने सहभागी शैक्षणिक पहलों के माध्यम से साहित्यिक विद्वत्ता और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

****

17. राष्ट्रीय जन संपर्क दिवस : जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग में 21 अप्रैल को राष्ट्रीय जन संपर्क दिवस समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर भारत सरकार के कौशल विकास मंत्रालय के जन संपर्क अधिकारी शिवानंद पाण्डेय मुख्य अतिथि रहें तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता एवं जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. बंदना पाण्डे ने की ।

जनसंपर्क दिवस के अवसर पर हुए क्वीज प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा मुख्य अतिथि शिवानंद पाण्डेय एवं अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय के द्वारा किया गया । जिसमें एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा माधुरी एवं सुनिधि ने दूसरा स्थान प्राप्त किया । इस क्विज प्रतियोगिता में विभाग के टीमों ने हिस्सा लेकर अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज की ।

मुख्य वक्ता कौशल विकास मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी श्री शिवानंद पाण्डेय को सम्मानित करते हुए मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय एवं शिक्षकगण

श्री शिवानंद पाण्डेय ने छात्र-छात्राओं को जन-संपर्क की बारीकियों से रूबरू कराते हुए कहा, 'जनसंपर्क का क्षेत्र बहुत ही व्यापक है, भारत में आज़ादी के पहले से ही कई कंपनियों में जन संपर्क विभाग हुआ करते थे और आज इसका दायरा बहुत बढ़ गया है । वहीं पब्लिक सेक्टर के साथ-साथ हर छोटे बड़े प्राइवेट कंपनी में आज जन संपर्क विभाग कार्य कर रहा है । जन संपर्क के बारे में गलत बातों को सही करके या नकारात्मक को सकारात्मक करके दिखाया जाता है जबकि यह तथ्य नहीं है और तथ्य यह भी नहीं है कि जो अच्छा काम करते हैं उसे जन-संपर्क की जरूरत नहीं होती है । जबकि जन संपर्क के विचार में यह बात निहित है कि यदि आप अच्छा कार्य करते हैं तो उसके बारे में भी लोगों को जानने का भी हक है और उसे बताया जाना ही जन-संपर्क है।'

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की संकाय की अधिष्ठाता एवं मीडिया विशेषज्ञ प्रो. बंदना पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि जन संपर्क हमेशा दूर-दृष्टि के साथ कार्य करता है । यदि किसी संस्थान के बारे में कोई छोटी सी नकारात्मक खबर आती है तो वहाँ के जनसंपर्क अधिकारी उस नकारात्मक खबर को महत्व न देते हुए, उस संस्थान महत्वपूर्ण सकारात्मक कार्यों का प्रसार करते हैं । यही जन संपर्क का दर्शन है जिसमें एक जन संपर्क अधिकारी निपुण होकर अपने संस्थान को किसी प्रकार की नकारात्मकता से बचाए रखता है और सभी से सकारात्मक संबंध बनाए रखता है। उन्होंने उपस्थित मीडिया के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया कैरियर में सिर्फ न्यूज एंकर, रिपोर्टर और संपादक ही नहीं बल्कि एक जनसंपर्क अधिकारी के रूप में भी आपके सामने ढ़ेर सारे अवसर, सरकारी के साथ साथ कार्पोरेट क्षेत्रों में भी उपलब्ध है । इसके अलावा विज्ञापन में भी असंख्य अवसर उपलब्ध है, बस आपका उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए । इस कार्यक्रम को असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनीत कुमार, डॉ. प्रियतम, डॉ. विमलेश कुमार, डॉ. आशुतोष वर्मा, डॉ. प्रतिमा एवं छात्र-छात्राओं ने सफल बनाया ।

****

18. पृथ्वी दिवस 2025 : 22 अप्रैल को पर्यावरण विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ एवं अप्लाइड साइंस के द्वारा 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' थीम पर पृथ्वी दिवस-2025 विशेष उत्साह और पर्यावरणीय संकल्प के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. वी. के. जैन (पूर्व कुलपति, तेज़पुर व दून विश्वविद्यालय) ने उभरती ऊर्जा तकनीकों जैसे हरित हाइड्रोजन और जैव-हाइड्रोजन पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह तकनीकें भविष्य की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी क्रांतिकारी भूमिका निभा सकती हैं।

पृथ्वी दिवस 2025 कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह तथा प्राध्यापकगण

कार्यक्रम की अध्यक्ष गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा, "पृथ्वी दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक सतत चेतना है जो हमें 'ज़रूरत और लालच' के बीच संतुलन बनाना सिखाती है।" उन्होंने सभी को प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और जागरूक जीवन-शैली अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर थीम-आधारित रंगोली, पोस्टर प्रदर्शनी और वॉल मैगज़ीन "इकोवर्स" के तीसरे संस्करण का विमोचन किया गया। छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित क्विज और पोस्टर प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिसमें क्विज विजेता छात्र अक्षिता भट्टाचार्य तथा पोस्टर विजेता छात्राएँ स्वाति निषाद और मिनी वर्मा रहीं । कार्यक्रम के अंत में डॉ. भास्वती बनर्जी ने आयोजन ज्ञान, सहयोग और पर्यावरणीय संकल्प का केंद्र बिंदु पर विचार किया ।

****

19. बिना आग के पकवान : 23 अप्रैल को शिक्षक एवं प्रशिक्षण विभाग 'बिना आग के पकवान' (फूड विदाउट फायर) कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता, स्वच्छता, पोषण संबंधी जागरूकता एवं समूह नेतृत्व की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस प्रतियोगिता में विभाग मे संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों आईटीईपी, बी. एड., एम. ए. शिक्षा शास्त्र के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बिना आग का प्रयोग किए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट एवं पोषक व्यंजन प्रस्तुत किए। छात्रों ने स्प्राउट्स सलाद, फ्रूट चाट, फ्रूट जूस, नारियल मोदक, ड्राई फ्रूट मोदक भेलपुरी, सैंडविच, दही, ब्रेड डेज़र्ट, भिन्न-भिन्न प्रकार की ड्रिंक इत्यादि व्यंजनों को बहुत ही सुंदर ढंग से सजाकर प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. बंदना पांडेय रहीं एवं अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन कौशल भी आवश्यक हैं और इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्रों को पाठ्य-पुस्तकों से इतर व्यावहारिक जीवन से जोड़ती हैं तथा रचनात्मक चिंतन, समय प्रबंधन, स्वच्छता, पोषण और संयोजन आदि का अभ्यास कराती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस तरह के आयोजनों से छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ता है, साथ ही उनमें सहयोग और सामूहिक कार्य की भावना का विकास होता है। अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियों में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। विभिन्न अन्य विभागों से उपस्थित प्रवक्तागणों, डॉ. रुपाली श्रीवास्तव, डॉ. मंजरी सुमन, डॉ. विनीत कुमार, डॉ. रिया राज आदि ने भी विद्यार्थियों द्वारा तैयार व्यंजनों एवं प्रस्तुतीकरण में रचनात्मकता

बिना आग के पकवान' के अवसर पर भोजन का निरीक्षण करते हुए प्राध्यापकगण

की भूरि-भूरि प्रशंसा की। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन एवं प्रवक्तागणों डॉ. श्रुति कंवर, डॉ. ममता रानी, डॉ. शालिनी भारद्वाज एवं डॉ. वैशाली तथा समस्त विद्यार्थियों के सहयोग से यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा और छात्रों को बिना आग के खाना बनाने के सुरक्षित, स्वास्थ्यवर्द्धक एवं रचनात्मक तरीकों से परिचित कराने में सहायक सिद्ध हुआ।

****

20. आठवें अंतरराष्ट्रीय एशियाई पुस्तकालय तीन दिवसीय सम्मेलन : 24 से 26 अप्रैल तक एशियाई पुस्तकालय संघ, नई दिल्ली के सहयोग से बी. आर.अम्बेडकर बोधिसत्व पुस्तकालय द्वारा तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय एशियाई पुस्तकालय सम्मेलन (इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ एशियन लाइब्रेरीज़) का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन का उद्देश्य एआई -आधारित उभरती प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में स्मार्ट पुस्तकालय प्रबंधन के बारे में प्रतिभागियों की समझ को व्यापक बनाना और स्मार्ट पुस्तकालयों के विकास में एआई आधारित सेवाओं का लाभ उठाना है।

इस सम्मेलन के निदेशक डॉ. पी. आर. गोस्वामी ने सम्मेलन की थीम, उद्देश्य और कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए बताया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आज की डिजिटल दुनिया में पुस्तकालयों की कार्यप्रणाली को बेहतर बना रहा है—जैसे कि गलत सूचना की पहचान, उद्धरण खोजना, सामग्री का संक्षेपण और भाषा अनुवाद जैसी क्षमताओं में। मुख्य वक्ता प्रो. शहाबत हुसैन, पूर्व अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संकाय एवं पूर्व अध्यक्ष, डीएलआईएस,एएमयू, अलीगढ़ ने कहा, "एआई, आरएफआईडी

अंतरराष्ट्रीय एशियाई पुस्तकालय सम्मेलन में सम्मेलन की संक्षिप्त-शोध पुस्तिका का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह तथा अन्य

तकनीक, वर्चुअल रियलिटी और स्मार्ट लाइब्रेरी डिज़ाइनों में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहा है।" उन्होंने भविष्य में ऐसे रोबोटिक सहायक विकसित करने की संभावना जताई जो पुस्तकालयीय कार्यों को स्वचालित कर सकते हैं। मुख्य अतिथि प्रो. अशोक कुमार नागवत, कुलपति, डीएसईयू ने पुस्तकालयों के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डालते हुए मेसोपोटामिया, तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों के ज्ञान भंडारों से लेकर आज की डिजिटल लाइब्रेरी युग तक के सफर को रेखांकित किया। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने सम्मेलन की उपयोगिता पर बल देते हुए कहा कि यह तीन दिवसीय आयोजन प्रतिभागियों के लिए"एक नई दृष्टि, संवाद और नवाचार का अवसर है।"

आयोजन सचिव डॉ. माया देवी, डिप्टी लाइब्रेरियन, बी. आर. अम्बेडकर पुस्तकालय ने पुस्तकालय प्रबंधन, डिजिटल संरचना, और तकनीकी नवाचारों पर मंथन किया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ डॉ. के.के. द्विवेदी, डॉ. संतोष तिवारी तथा डॉ. प्रियंका सिंह, सुश्री यामिनी, डॉ. अखिलेश, श्री सागर, सुश्री सौम्या, सुश्री सुजाता और विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया ।

****

21. लोक सभा आभासी प्रतियोगिता : 29 अप्रैल को स्कूल ऑफ लॉ, जस्टिस एवं गवर्नेंस के द्वारा समान नागरिक संहिता विषय पर लोक सभा आभासी प्रतियोगिता आयोजित की गयी । जिसमें बेस्ट पार्लियामेंट्रियन पुरूष वर्ग संस्कार सिंह तथा महिला वर्ग में लक्ष्मी नारायण, ऑडियंस फेवरेट पुरूष संवर्ग में आदित्य सहाय, बेस्ट स्पीकर सरकार पक्ष अंजलि यादव और विपक्ष श्री अभिराज सिंह तथा जूरी फेवरेट सौम्या सिंह ने पुरस्कार प्राप्त किया । स्पीकर की भूमिका में अद्वितीय वीर ने तथा रिपोर्टर की भूमिका तृप्ति पंवार और ओजल पाण्डेय ने निभाई ।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने समान नागरिक संहिता के विभिन्न विशिष्ट पहलूओं पर प्रकाश डाला और बिल को तत्काल रूप से पास होना जरूरी बताया । विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार तिवारी ने कहा, "एक तरफ जहाँ मूट कोर्ट प्रतियोगिता से छात्रों में न्यायिक प्रक्रिया सीखने में मिलती है वहीं पर पार्लियामेंट प्रतियोगिता से छात्र राजनीति की बारीकियाँ और राजनीतिक कौशल का विकास होता है"।

इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. कृष्ण कांत द्विवेदी, डॉ. रमा शर्मा, डॉ. ममता शर्मा, डॉ. पूनम पाण्डेय, डॉ. सतीश चंद्रा, डॉ. अनीता यादव, डॉ. अक्षय कुमार सिंह, डॉ. अखिलेश कुमारी आदि ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सफल बनाया ।

****

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

1. दावत-ए-जीबीयू : 11 मार्च को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में प्रबंधन विभाग के छात्रों द्वारा 'दावत-ए-जीबीयू' सांस्कृतिक खाद्य महोत्सव का ग्रैंडवॉक पर भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर खेल स्टॉल्स, स्वादिष्ट खाद्य स्टॉल्स, मंत्रमुग्ध कर देने वाली नृत्य प्रस्तुतियाँ और संगीत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसने उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विश्वास त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की और इस आयोजन को विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल विभिन्न सांस्कृतिक व्यंजनों को प्रदर्शित करना था, बल्कि छात्रों को प्रबंधन और आयोजन कौशल का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना भी था।

दावत-ए-जीबीयू में कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी, प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी

महोत्सव के दौरान विभिन्न खेल गतिविधियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मनोरंजन प्रदान किया। खाद्य स्टॉल्स पर भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यंजनों का विशाल चयन था, जिसे छात्रों और आगंतुकों द्वारा खूब सराहा गया। प्रो. राणा प्रताप सिंह ने अपने सम्बोधन में इस तरह के आयोजनों के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि इससे छात्रों को आयोजन और प्रबंधन में वास्तविक अनुभव प्राप्त होता है। वहीं, डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने भविष्य में ऐसे और सांस्कृतिक एवं प्रबंधकीय कार्यक्रमों के आयोजन का समर्थन किया। यह कार्यक्रम न केवल जीबीयू-समुदाय के लिए एक यादगार अनुभव रहा, बल्कि छात्रों को अपनी नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक कौशल दिखाने का भी एक मंच मिला। शिक्षकों और छात्रों ने इस महोत्सव को अत्यंत सफल और यादगार बताया और भविष्य में ऐसे और आयोजनों के लिए अपनी इच्छा जाहिर की।

****

2. होली-समारोह : 14 मार्च गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के विदेशी छात्रों ने हाल ही में वियतनाम, म्यांमार, लाओस, कंबोडिया, थाईलैंड, ताइवान, श्रीलंका और अन्य देशों से भारतीय शिक्षकों के साथ होली का रंगीन और उल्लासपूर्ण त्योहार मनाया। यह विशेष अवसर विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और भारतीय शिक्षकों को एक साथ लाकर सांस्कृतिक आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। समारोह की शुरुआत भारतीय संस्कृति में होली के महत्व पर एक दिलचस्प परिचय से हुई, जिसमें विशेष रूप से होलिका दहन पर चर्चा की गई, जो अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है। छात्रों को बताया गया कि यह परंपरा भारत के विभिन्न हिस्सों में किस प्रकार मनाई जाती है और यह भारतीय समाज के विविध समुदायों को एकजुट करने का कार्य करती है।

तत्पश्चात् छात्र गुलाल से एक-दूसरे पर रंग डालते हुए होली के रंगीन रीति-रिवाजों में शामिल हुए। इस अवसर पर पूरे माहौल में खुशी और उल्लास का दृश्य था, जो भारतीय त्योहारों की गर्मजोशी और विविधता को दर्शाता है।

रंग में डूबे विदेशी छात्र

इसके अतिरिक्त, छात्रों को होली के विशेष अवसर पर तैयार की गई भारतीय मिठाइयों और व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर भी मिला, जिनमें गुजिया, मठरी और कस्टर्ड शामिल थे। छात्रों ने भारतीय व्यंजनों का आनंद लिया और इस सांस्कृतिक अनुभव को और भी यादगार बनाया।

****

3. स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत छात्रों को टैबलेट्स और स्मार्टफोन का वितरण : 19 मार्च को प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में छात्रों में 198 टैबलेट्स और स्मार्टफोन वितरित किया गया। सरकार की योजना का लाभ लाखों छात्रों को मिल चुका है। इससे पूर्व गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के 982 छात्र अब तक योजना का लाभ उठा चुके हैं।

छात्रों को टैबलेट्स और स्मार्टफोन वितरित करते हुए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी

स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत छात्रों को इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. राणा प्रताप सिंह ने शिक्षा और शोध तकनीकि एवं ऑनलाइन माध्यमों के महत्त्व पर बताते हुए यह कहा कि टैबलेट्स और स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम से विशेष रूप से कमज़ोर वर्ग छात्र लाभान्वित होंगे ।
स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के नोडल अधिकारी डॉ. मनमोहन सिंह सिसोदिया, विभागाध्यक्ष, तकनीकि अधिकारी राजकुमार की टीम ने इस कार्यक्रम की बारीकियों को ध्यान में रखते हुए छात्रों को उनके नाम से प्राप्त टैबलेट्स और स्मार्टफोन वितरित करवाया तथा उनकी जानकारी एवं फोटो डिजी शक्ति पोर्टल पर अपलोड करवाकर कार्यक्रम को सफल बनाया । इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मलकानिया, विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक सदस्य उपस्थित रहें और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में इस महत्वपूर्ण कदम की सराहना की ।

****

"अतीत पे ध्यान मत दो, भविष्य के बारे में मत सोचो, अपने मन को वर्तमान क्षण पे केन्द्रित करो."

भगवान बुद्ध

4.@डीजे मावी द्वारा में संगीत कार्यक्रम : 13 अप्रैल को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में @डीजे मावी द्वारा संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों ने अतिउत्साह से बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ।

@डीजे मावी द्वारा संगीत कार्यक्रम का आनंद लेते हुए विद्यार्थी

****

5.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती : 14 अप्रैल की सुबह बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर सदस्य तथा छात्र-छात्राओं ने बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर को पुष्प अर्पित किया तथा उनके सिद्धांतों पर विचार-विमर्श किया । इस अवसर पर कुलपति

कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह तथा शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर सदस्य

प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा, "एक दूरदर्शी नेता, समाज सुधारक, और भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार... समानता, न्याय और मानवीय गरिमा के उनके आदर्श हमें एक अधिक समावेशी और दयालु समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करते रहें" ।

****

6. 'थिंग्यान उत्सव 1387' (म्यांमार नववर्ष) का भव्य आयोजन: 17 अप्रैल को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में अध्ययनरत म्यांमार के छात्र समुदाय ने थिंग्यान उत्सव 1387 (म्यांमार नववर्ष) को बड़े उत्साह, पारंपरिक उल्लास और एकजुटता के साथ मनाया। बौद्ध अध्ययन के छात्रों द्वारा आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारत, वियतनाम, कंबोडिया, लाओस, ताइवान और श्रीलंका सहित विभिन्न देशों के अंतरराष्ट्रीय छात्र एवं संकाय सदस्य शामिल हुए।
13 से 17 अप्रैल तक थिंग्यान, म्यांमार का पारंपरिक नव वर्ष उत्सव है, जिसे सामान्यतः अप्रैल के मध्य में मनाया जाता है। यह म्यांमार की सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो बौद्ध

परंपराओं और ऋतु परिवर्तन से जुड़ा हुआ है। 'थिंग्यान' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत शब्द 'संक्रमण' से हुई है, जो सूर्य के मीन से मेष राशि में प्रवेश को दर्शाता है । यह परिवर्तन पुराने वर्ष के अंत और नए वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। इस उत्सव की एक मुख्य विशेषता है जल छिड़कने की परंपरा। सड़कों पर एक-दूसरे पर पानी डालना जहाँ आनंद का प्रतीक है,

थिंग्यान उत्सव के अवसर पर जीबीयू के विदेशी विद्यार्थी

वहीं इसका आध्यात्मिक महत्व भी है – यह बीते वर्ष के पापों और दुर्भाग्य को धोकर आत्मा को शुद्ध करने की प्रक्रिया मानी जाती है। इस अवसर पर पारंपरिक व्यंजन जैसे मोंट लोन याय पो (गुड़ से भरे चिपचिपे चावल के गोले) बनाए और एक-दूसरे के साथ साझा किए जाते हैं, जो उत्सव की उदारता और नवीकरण की भावना को दर्शाते हैं। इस उत्सव के अंतिम दिन, छात्रों ने अपने सहपाठियों और शिक्षकों को आमंत्रित कर जल अर्पण की रस्म और म्यांमार के पारंपरिक व्यंजन बांटे। इस सांस्कृतिक आयोजन में पारंपरिक संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और जलपान की व्यवस्था ने म्यांमार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक प्रस्तुत की। इस वर्ष का आयोजन केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रहा – छात्रों ने हाल ही में म्यांमार में आए भूकंप से प्रभावित लोगों के प्रति एकजुटता प्रकट करते हुए, सहायता और दान अर्पित किए।

****

7. जीबीयू में पहलगाम आतंकी हमले पर शोक सभा तथा कैंडल मार्च : 23 अप्रैल को मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय के द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले में निर्दोष भारतीयों की निर्मम हत्या के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए एक शोक सभा का आयोजन किया गया । प्रो. बंदना पाण्डेय ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिवारों से धैर्य और साहस के साथ इस दुख की घड़ी में सामना करने का आग्रह किया और उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवाद की इस बर्बर घटना की कड़े शब्दों में निन्दा करते हैं, इस तरह की त्रासदी हमें एकजूट होने और मानवता के मूल्यों को और मजबूत करने की प्रेरणा देती है । इस दुखद घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ अपनी पूरी एकजुटता व्यक्त करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे और शोकाकुल

पहलगाम में मारे गए भारतीयों के लिए शोकसभा में संकाय की आधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय के साथ उपस्थित प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएँ

परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे । देश इन निर्दोष भारतीयों की आतंकवादियों के निर्मम हत्या को कभी नहीं भूलेगा । मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के समस्त सदस्य तथा छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखा ।

23 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए भीषण आतंकी हमले में 28 निर्दोष नागरिकों की जान जाने से देशभर में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस दुखद घटना के विरोध में और शहीदों को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) के छात्रों ने एक कैंडल मार्च निकाला। विश्वविद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में एकत्र हुए छात्रों ने मोमबत्तियां जलाकर दो मिनट का मौन रखा और मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान छात्रों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर "आतंकवाद मुर्दाबाद" और "देश एकता ज़िंदाबाद" जैसे नारे लगाए। उन्होंने देश में शांति, सौहार्द और भाईचारे का संदेश भी दिया। इस कैंडल मार्च में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण भी छात्रों के साथ उपस्थित रहे। उपस्थित गणमान्यजनों में डॉ. कविता सिंह, डॉ. गौरव कुमार, डॉ. कपिल शेखर, डॉ. चांद बाबू, डॉ. मंदीप, श्री पंकज, श्री मनीष, डॉ. राकेश कुमार, श्री नमन आनंद, सारांश, शोमिल तथा अनेक अन्य शिक्षक व छात्र शामिल थे। जीबीयू परिवार ने इस संवेदनशील मौके पर देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और आतंकवाद के विरुद्ध सशक्त आवाज़ उठाई।

****

8. 'भारत शिक्षा एक्सपो 2025' में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की भागीदारी: ग्रेटर नोएडा में स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 24 से 26 अप्रैल तक आयोजित 'भारत शिक्षा एक्सपो 2025' देशभर के शैक्षणिक संस्थानों, शिक्षाविदों और नीति-निर्माताओं के लिए एक प्रेरणादायक मंच बना। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को साझा करना, नई तकनीकों को प्रोत्साहित करना और भारत को वैश्विक स्तर पर शिक्षा का मार्गदर्शक बनाने की दिशा में सार्थक संवाद स्थापित करना था।

इस प्रतिष्ठित आयोजन में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) ने प्रभावशाली सहभागिता दर्ज कराई। विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों डॉ. ओमवीर सिंह, डॉ. अनंत प्रताप सिंह, डॉ. विमलेश कुमार रॉय,

डॉ. बिपाशा सोम गुणे, डॉ. कविता सिंह, डॉ. अनु मलिक, डॉ. रिया राज और सुश्री श्रेया, डॉ. रेनू यादव, डॉ. आरती गौतम ने विश्वविद्यालय की ओर से सहभागिता की और अपने संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधानों तथा नवाचारों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

'भारत शिक्षा एक्सपो 2025' में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का स्टॉल

जीबीयू की भागीदारी ने यह स्पष्ट किया कि यह संस्थान न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि नई शैक्षणिक तकनीकों और नीतियों के प्रचार- प्रसार में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस मंच पर विश्वविद्यालय ने अपने शोध कार्यों, शिक्षण पद्धतियों और डिजिटल शिक्षा के क्षेत्रों में किए गए प्रयासों को साझा करते हुए अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ विचार-विमर्श किया।

भारत शिक्षा एक्सपो 2025 एक ऐसा अवसर बन गया, जहाँ देश के विभिन्न हिस्सों से आए शिक्षाविदों ने साझा उद्देश्य के तहत संवाद और सहयोग की भावना को सुदृढ़ किया। इस आयोजन ने शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता, समावेशिता और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक मजबूत कदम के रूप में कार्य किया।

****

9. स्काउट एंड गाइड शिविर : शिक्षण एवं प्रशिक्षण विभाग में 24 से 26 अप्रैल तक तीन दिवसीय स्काउट एंड गाइड शिविर लगायी गई । शिविर के पहले दिन ध्वजारोहण, प्रार्थना सभा एवं मुख्य अतिथि शिक्षक एवं प्रशिक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव तथा अन्य प्रवक्तागणों का स्वागत किया गया । विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को तीन दिवसीय शिविर में अधिक से अधिक सीखने एवं सक्रिय भागीदारी का निभाने हेतु प्रेरित किया। शिविर आयोजन में हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड प्रशिक्षण सेवा संस्थान की ओर से श्रीमान विवेक भार्गव (राज्य सचिव उत्तर प्रदेश) शिविर निर्देशक एवं श्रीमान पिंकू पाटिल (संयुक्त प्रशिक्षण कमिश्नर उत्तर प्रदेश) प्रशिक्षण निर्देशन के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न समूहों में बाँटते हुए नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा दिया। इस शिविर में स्काउटिंग के नियम, आदर्श, प्रतिज्ञा व सलामी की जानकारी दी गई और मार्चपास्ट का अभ्यास कराया गया, इसके साथ ही टीम बिल्डिंग गतिविधियाँ और स्काउट गेम्स, गीत-संगीत समूह खेल तथा विभिन्न राज्यों की प्रदर्शनी लगाई गई । इन खेलों के माध्यम से बच्चों में सहयोग, नेतृत्व और अनुशासन की भावना

छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए स्काउट एंड गाइड के प्रशिक्षक

कार्यक्रम के तीसरे दिन मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पाण्डेय ने छात्रों को प्रोत्साहित किया और शिविर का निरीक्षण किया। तीनों ही दिन छात्रों में अनुशासन, उत्साह और सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे यह कार्यक्रम अत्यंत सफल और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

****

सामाजिक गतिविधियाँ / सेवा

1. सड़क सुरक्षा बूटकैंप : त्रिगुणा – द साइंस ऑफ लिविंग ने वाल्वोलिन और कमिंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में 4 अप्रैल को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा बूट कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में सड़क सुरक्षा प्रथाओं और जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना और उन्हें शिक्षित करना था।

इस सत्र में वाल्वोलाइन और कमिंस के सुरक्षा विभाग के श्री कुलदीप और त्रिगुणा के संस्थापक सीईओ और जीबीयू के पूर्व छात्र श्री आदर्श गुप्ता और विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर्स की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने भारत में सड़क सुरक्षा से संबंधित मौजूदा चुनौतियों और समाधानों पर अपने विचार साझा किए। उनके दृष्टिकोण ने चर्चाओं को समृद्ध किया और सुरक्षित सड़कों को बढ़ावा देने में व्यक्तियों और संस्थानों की सामूहिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला।

बूट कैंप में छात्रों को जोड़ने और जीवन-रक्षक आदतें डालने के लिए डिज़ाइन किए गए, जिसमें इंटरैक्टिव सत्र और सूचनात्मक खंड शामिल थे। सुश्री ज़ेबैश ने कुशलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया, जिससे सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सहज और प्रभावशाली अनुभव सुनिश्चित हुआ।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने बूट कैंप के आयोजकों की सराहना की और कहा कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करके समग्र कल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखता है और उद्योग के नेताओं वाल्वोलिन और कमिंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ

इस तरह का सहयोग एक सुरक्षित और अधिक जागरूक समाज को बढ़ावा देने के साझा मिशन को रेखांकित करता है।

सड़क सुरक्षा बूट कैंप के अवसर पर विद्यार्थी

कार्यक्रम की खास उपलब्धि यह रही कि 250 विद्यार्थियों को निःशुल्क हेलमेट प्रदान किए गए ताकि वे न केवल सुरक्षा के महत्व को समझें बल्कि इसे अपने जीवन में अपनाएँ। हेलमेट वितरण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि विद्यार्थी इस बूट कैंप से सीखी गई बातों को अपने दैनिक जीवन में भी लागू करें।

****

2. रोड सेफ्टी वर्कशॉप : भारत सरकार का सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 'रोड सेफ्टी ड्राइव' विषय पर एक विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह आयोजन जेवर स्थित यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे स्थित खुली सड़क पर आयोजित किया गया। इस आयोजन में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग, अर्थशास्त्र विभाग एवं इतिहास विभाग के करीब सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी की। गौतम बुद्ध नगर का ट्रांसपोर्ट डिपार्ट्मेंट एवं टायर कंपनियों की संस्था 'आत्मा' एवं आई-टैक कार्यक्रम के सह-आयोजक के रूप में उपस्थित थे।

इस वर्कशॉप में छात्र-छात्राएँ खुद भी जागरूक हुए और साथ ही साथ अपने आस-पास के लोगों को इस विषय पर जागरूक करने का संकल्प भी लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के महत्व, जनजागरूकता अभियानों की भूमिका तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को लेकर संवेदनशील बनाना था। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध एंकर और मीडिया विशेषज्ञ श्री सुमित अवस्थी, जिलाधिकारी, गौतम बुद्ध नगर तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता एवं जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर वंदना पांडेय समेत कई अन्य विशेषज्ञों ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता एवं जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. वंदना पांडेय ने कहा, "विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए यह वर्कशॉप एक व्यवहारिक मंच है, जहाँ वे कई उदाहरणों, आकड़ों और डॉक्युमेंट्री के माध्यम से रोड सेफ़्टी के विषय में समझ सकते हैं। हमारे विद्यार्थी यहाँ बताए गए मूल्यवान संवाद को आत्मसात कर खुद के साथ-साथ अपने परिवार को भी - सुरक्षित कर सकते हैं, क्योंकि विधार्थी सिर्फ अपने माता-पिता के सपने ही नहीं होते बल्कि इस राष्ट्र के धरोहर भी होते हैं, इसलिए जब आप सड़कों पर नियमों का पालन कर अपने जीवन की रक्षा

वर्कशॉप में रजिस्ट्रेशन कराते गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की छात्र-छात्राएँ

करेंगे, तभी इस देश के विकास में अपना मूल्यवान योगदान दे पाएंगे। इसलिए सड़कों पर चलना यदि आपका संवैधानिक अधिकार है तो सुरक्षा संबंधी नियमों को मानना आपका मूलभूत कर्तव्य भी है। उन्होंने आगे कहा कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के लिए जीवन से जुड़े व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने हेतु मीडिया भ्रमण, कार्यशालाओं एवं संवाद सत्रों में भागीदारी के अवसर उपलब्ध कराता रहता है।

****

3. दृष्टिबाधितों के लिए स्मार्ट स्टिक स्टार्टअप : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर से दृष्टिबाधितों को प्रतिदिन के जीवन को आसान बनाने के लिए संबंद्ध स्टार्टअप प्रारंभ किया गया है । स्मार्ट स्टिक तैयार करने का श्रेय अमित जैन को जाता है । बीसीआई कंपनी के संस्थापक अमित जैन व प्रियंका जैन ने बताया कि वे अपने आसपास प्रतिदिन दृष्टिबाधितों को परेशान होते देखते थे । उन्होंने उनकी समस्याओं का हल निकालने के लिए स्मार्ट स्टिक बनाई है । यह स्मार्ट स्टिक उनकी राह में आने वाली सभी कठिनाइयों को पहले ही उन्हें बता देगी । इससे दृष्टिबाधितों को गढ्ढे, पत्थर से लेकर अन्य सभी चीजों की जानकारी हो सकेगी । डिवाइस उन्हें बता देगी की कितनी दूरी पर क्या उन्हें परेशान करेगी । एआई के माध्यम से उन्हें सभी जानकारी मिल सकेगी । स्मार्ट स्टिक को गूगल मैप से लिंक कर दिया गया है । एप के माध्यम से रूट को सेव करने के बाद वह जानकारी देने लगेगा । जिसके लिए उन्हें एक बार रूट को सेव करना पड़ेगा ।

****

4. ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु तीन स्टार्टअप के लिए यूपी सरकार से आर्थिक अनुदान प्राप्त : उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने की पहल की है, जिसके लिए दस स्टार्टअप शुरू किया गया है । इनमें से तीन स्टार्टअप गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के पास है । पहला सौर्य उज्जवला प्रा. लि. के लिए प्रोप्रो टाइप के लिए शासन से आर्थिक अनुदान मिली है । इसमें ग्रामीणों को सस्ती बिजली मुहैया कराने पर काम किया जा रहा है । दूसरा, वीर कनेक्ट इंडिया एनवायरनमेंट टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है । तीसरा, वाल्स्को टेक्नोलॉजी प्रा.लि. कानूनी दांवपेच फंसे लोगों की मदद के लिए प्रोप्रो टाइप तैयार कर रही है । यह तीनों -

स्टार्टअप अलग-अलग क्षेत्र में काम कर रहे हैं । इनके लिए उत्तर प्रदेश सरकार से पाँच-पाँच लाख रूपये प्राप्त हुए हैं ।

****

5. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा बनाया गया एप ज्यूरिडेंट से मिलेगी कानूनी सलाह : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर के स्टार्टअप वॉल्स्को टेक्नोलॉजी प्रा.लि. ने ज्यूरिडेंट नामक एप विकसित किया है । जिससे वकील और लॉ फर्म कानून और संविधान के विषय में जानकारी हासिल कर सकेंगे । आर्टिफिशियल और इंटिलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग तकनीक पर आधारित यह ऐप अनुबंध विश्लेषण और दस्तावेज प्रबंधन जैसे कार्यों को स्वचालित करता है, जिससे वकीलों की दक्षता और सटीकता में वृद्धि होती है । इसके माध्यम से बड़ी मात्रा में कानूनी डेटा का त्वरित विश्लेषण किया जा सकता है ।

****

6.भूकंप से प्रभावित म्यांमार और थाईलैंड के साथ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय एकजुटता के साथ खड़ा : म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप ने म्यांमार और थाईलैंड के कई क्षेत्रों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इस भयंकर प्राकृतिक आपदा ने कई लोगों की जान ली, घरों को नष्ट किया और लाखों परिवारों को भोजन, स्वच्छ पानी और आवश्यक सामग्रियों की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

अपने परिजनों के लिए प्रार्थना करते बौद्ध भिक्षु

इस कठिन समय में, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का बौद्ध अध्ययन और सभ्यता संकाय इस संकट के शिकार समुदायों के साथ अपनी गहरी सहानुभूति और एकजुटता व्यक्त करता है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय हमेशा म्यांमार और थाईलैंड के छात्रों के साथ खड़ा रहा है, विशेष रूप से उन भिक्षुओं और नन को जो बौद्ध धर्म का अध्ययन करने भारत आते हैं।

****

7. सायबर फ्रॉड के प्रति जन-जागरूकता अभियान : जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के छात्र-छात्राओं ने शनिवार को सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता और जन संचार विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. बंदना पांडेय के मार्गदर्शन में ग्रेटर नोएडा के घरबरा ग्राम में सायबर फ्रॉड के प्रति एक जन-जागरूकता अभियान चलाया । इस अभियान में विद्यार्थियों ने पूरे गाँव का भ्रमण कर लोगों को मोबाइल से होने वाली सायबर ठगी से बचने के उपाय बताए और एक नुक्कड़ नाटक के परंपरागत माध्यम से लोगों को एक सशक्त संदेश दिया । इस जागरूकता अभियान में बीए पत्रकारिता एवं जनसंचार के विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज की और ग्रामीण लोगों के दिल को छू लेने वाले अपने अभिनय के माध्यम से सायबर फ्रॉड के प्रति सचेत किया।

सायबर फ्रॉड के प्रति जन-जागरूकता अभियान में घरबरा गाँव में जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के विद्यार्थी

इस अवसर पर प्रो. बंदना पांडेय ने इस जागरूकता अभियान के बारे में बताया कि इस विभाग के समस्त छात्र-छात्राओं के लिए सैद्धांतिक अध्ययन के साथ-साथ मीडिया के व्यावहारिक पक्ष का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज हमारे विद्यार्थियों ने घरबरा ग्राम में विकास पत्रकारिता के तहत जन जागरूकता अभियान चलाया और नुक्कड़ नाटक किया । उन्होंने आगे कहा कि देखा गया है कि सायबर अपराधी आजकल ग्रामीण परिवेश की भोली-भाली जनता को अपना शिकार बना रही है इसलिए उन्हें जागरूक करना हम सभी की नैतिक जिम्मेवारी भी है ।

इस जागरूकता अभियान और नुक्कड़ नाटक का नेतृत्व विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनीत कुमार ने किया। डॉ. विनीत ने इस अभियान में गाँव के स्थानीय स्कूल के बच्चों को सायबर अपराध से बचने के बारे में बताया और कहा कि आप सभी को खुद भी जागरूक होना है और साथ ही साथ अपने माता-पिता को भी इस सायबर फ्रॉड के प्रति जागरूक करना है । इस अभियान में विभाग के डॉ. आशुतोष कुमार एवं डॉ. प्रतिमा समेत विभाग के अधिकांश विद्यार्थी एवं फ़ैकल्टी सदस्यों ने सक्रिय रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज की और इस जागरूकता अभियान के सहभागी बने ।

****

8. जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के छात्र-छात्राओं ने रोड सेफ़्टी पर नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश : 28 अप्रैल को जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के छात्र-छात्राओं ने ग्रेटर नोएडा स्थित निम्बस सोसाइटी के निकट सड़क सुरक्षा को लेकर जन-जागरूकता अभियान चलाया। सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता एवं जनसंचार विभाग की अध्यक्ष प्रो. बंदना पांडेय के मार्गदर्शन में आयोजित इस रोड सेफ़्टी अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक एवं रैली के माध्यम से लोगों को सड़क पर सुरक्षित चलने के नियमों के प्रति जागरूक किया। इस अभियान में विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और मोबाइल फोन का वाहन चलाते समय-

उपयोग न करने जैसे जरूरी संदेशों को रोचक अंदाज में प्रस्तुत किया। नुक्कड़ नाटक का निर्देशन बीए जनसंचार द्वितीय वर्ष की छात्रा वंशिका मिश्र ने किया और उनका साथ खुशी, माधुरी, माही, स्वाती, रिया, विशाल, निशांत, हर्ष, यशनन्दन, प्रकृति, हर्षित और आयुषी समेत कई अन्य विद्यार्थियों ने इस अभियान के तहत सोसाइटी के निकट नुक्कड़ नाटक और जन-सुरक्षा रैली निकालकर सड़क पर चल रहे नागरिकों को रोड सेफ़्टी के महत्व के बारे में बताया और उन्हें जिम्मेदार यातायात व्यवहार के लिए प्रेरित किया।

रोड सेफ़्टी पर संदेश देते हुए जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी

इस अभियान के बारे में सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता एवं जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर बंदना पांडेय ने बताया कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक अध्ययन के साथ-साथ मीडिया के व्यावहारिक पक्ष का भी सशक्त प्रशिक्षण दिया जाता है। विकास संचार के इसी प्रशिक्षण शृंखला के दूसरे भाग में रोड सेफ़्टी पर विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सार्थक संदेश दिया । उन्होंने आगे कहा कि सड़क सुरक्षा आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह ट्रैफिक नियमों का पालन कर स्वयं के साथ-साथ दूसरों की जान की भी रक्षा करें । इस अभियान में विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनीत कुमार, डॉ. कुमार प्रियतम, डॉ. बिमलेश कुमार ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। विभाग के फैकल्टी सदस्यों ने विद्यार्थियों को रैली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक सरोकारों से जोड़ने और उन्हें जमीनी स्तर पर संवाद कौशल का अभ्यास कराने पर बल दिया और कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इस जन-जागरूकता अभियान में विभाग के सभी शिक्षकों और बीए जनसंचार द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

****

खेल समाचार

1. मैराथन में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने मारी बाजी : 9 मार्च को रनएक्स स्पोर्ट्स द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल, नोएडा के खेल परिसर में आयोजित मैराथन में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्र एवं कर्मचारियों ने भाग लिया । इस दौड़ में शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के कर्मचारी दीलिप कुमार ने 5 किलोमीटर की दौड़ 18 मिनट में पूरा कर तीसरा स्थान प्राप्त किया, शारीरिक शिक्षा के प्रथम वर्ष के छात्र मोहित कुमार ने 21 मिनट में दौड़ पूरी कर पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया ।

****

2. बाबा शीतला गोल्ड कप भारत केसरी दंगल में छात्र शक्ति सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त : 8-9 मार्च को नोएडा सेक्टर 73 स्थित ग्राम सर्फाबाद में आयोजित ऐतिहासिक बाबा शीतला गोल्ड कप भारत केसरी दंगल में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्र शक्ति सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में देशभर से 400 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों के पहलवान शामिल थे।

बाबा शीतला गोल्ड कप भारत केसरी दंगल में शक्ति सिंह पुरस्कार प्राप्त करते हुए

शक्ति सिंह बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय में बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के छात्र हैं, ने भारत केसरी भार वर्ग (75 किलोग्राम से अधिक) में यह सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया है।

****

3. शौर्योत्सव का आगाज़ : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का वार्षिक खेल शौर्योत्सव-2025 का आगाज़ हो चुका है । जिसमें फुटबाल, क्रिकेट वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, टग ऑफ वॉर, थ्रो बॉल, बास्केट बॉल आदि खेल आयोजित किए जा चुके हैं ।

शौर्योत्सव का आगाज़

4. वॉलीबॉल चैम्पियनशिप चैलेंज 2025 का भव्य आगाज : 21 से 23 अप्रैल तक गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के एकलव्य इंडोर स्टेडियम में 'वॉलीबॉल चैम्पियनशिप चैलेंज 2025' का शानदार टूर्नामेंट रहा। तीन दिवसीय इस टूर्नामेंट में दिल्ली-एनसीआर से 11 पुरुष और 7 महिला टीम ने हिस्सा लिया । टूर्नामेंट के उद्घाटन में मुख्य अतिथि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार आई/सी डॉ. शोभा राम रहें। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना, सहयोग और लगन के साथ खेलने का आह्वान किया। टूर्नामेंट के दूसरे दिन तेजपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.के. जैन मुख्य अतिथि रहें। प्रो. जैन ने खिलाड़ियों से रूबरू हुए और विशेष रूप से शारदा यूनिवर्सिटी और इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद (आईपीईसी) की टीम को प्रेरक शब्दों में हौसला अफजाई करते हुए कहा कि 'खेल हमें अनुशासन, लगन और टीमवर्क सिखाते हैं - ये वो गुण हैं जो न सिर्फ एक एथलीट बल्कि भविष्य के नेता गढ़ते हैं ।' कार्यक्रम के तीसरे दिन समापन समारोह में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा उन्होंने कहा, "यह चैम्पियनशिप न सिर्फ खेल कौशल बल्कि खेल भावना की सच्ची मिसाल है, जिसमें हर खिलाड़ी ने दिखाया कि संकल्प और टीमवर्क से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।" इस अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के खेल अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा, "इस साल प्रतिस्पर्धा का स्तर अद्भुत है। हर टीम अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही है, जिससे यह चैम्पियनशिप वाकई यादगार बन रही है।"

वॉलीबॉल चैम्पियनशिप के विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान करते हुए प्रो. राणा प्रताप सिंह

जीबीयू बनाम जीआईआईएमएस में जीबीयू ने जीत दर्ज की, पहला सेट 26-24 और दूसरा सेट 25-13 से अपने नाम किया। होम टीम ने बेहतरीन समन्वय और रणनीति से दर्शकों का दिल जीत लिया। शारदा यूनिवर्सिटी बनाम इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद (आईपीईसी) में शारदा-यूनिवर्सिटी बनाम इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद (आईपीईसी) में शारदा यूनिवर्सिटी ने धमाल मचा दिया, दोनों सेट 25-14 के समान अंतर से जीते। उनके आक्रामक खेल और मजबूत रक्षा ने सभी को प्रभावित किया। फाइनल में बालिका वर्ग में शारदा विश्वविद्यालय और बालक वर्ग में गलगोटिया के टीम ने बेहतर प्रदर्शन कर ट्रॉफी पर कब्जा किया । 'वॉलीबॉल चैम्पियनशिप चैलेंज 2025' के भव्य समापन में कुलपति राणा प्रताप सिंह ने विजेता छात्रों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया । इस रोचक टूर्नामेंट का आनंद लेने के लिए डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. कीर्ति पाल, डॉ. नगेंद्र सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार सहित विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी मौजूद रहें।

****

राष्ट्रीय सेवा योजना

1.युवा संवाद @2047: 5 मार्च 2025 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा "युवा संवाद @2047" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह संवाद युवाओं का, युवाओं के लिए, और युवाओं से जुड़ा हुआ एक महत्वपूर्ण मंच है, जो भारत के उज्ज्वल भविष्य में उनकी भूमिका को रेखांकित करता है। इस आयोजन के विशिष्ट अतिथि डॉ. अमरनाथ मिश्रा (प्राध्यापक, फॉरेंसिक एक्सपर्ट, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा), डॉ. निशा चौधरी (स्त्री रोग व प्रसूति विज्ञान विशेषज्ञ, राजकीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा) और डॉ. सतीश चंद्रा (सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ लॉ, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय) थे। इन प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने "विकसित भारत के निर्माण" विषय पर अपने ज्ञानवर्धक विचार प्रस्तुत किए।

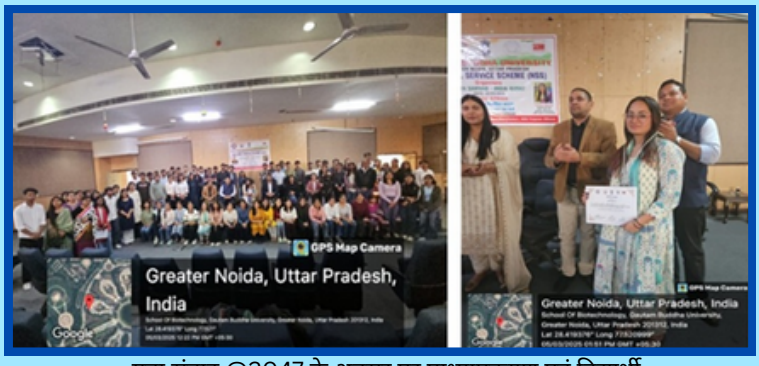

युवा संवाद @2047 के अवसर पर प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी

डॉ. अमरनाथ मिश्रा ने "पंच प्राण - एक युवा परिचर्चा संवाद @2047" विषय पर चर्चा करते हुए निवारक और सामाजिक फॉरेंसिक पर व्यावहारिक व्याख्यान दिया। साथ ही, उन्होंने छात्रों को साइबर सुरक्षा और साइबर अपराध से बचने के उपाय बताए। डॉ. निशा चौधरी ने सर्वाइकल कैंसर से जुड़े तथ्यों पर प्रकाश डाला तथा इससे बचाव और सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. सतीश चंद्रा ने छात्रों को संविधान में निहित उनके मूल अधिकारों के प्रति जागरूक किया और विधिक जागरूकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों के लिए "विकसित भारत - 2047" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। "विकसित भारत" और "विरासत पर गर्व" जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर युवाओं की भागीदारी स्वयं में ही राष्ट्र की प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छात्रों के जोश और उत्साह ने इस आयोजन को और भी -

प्रभावशाली बना दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। तत्पश्चात, प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस आयोजन को सफल बनाने में एनएसएस कार्यक्रम समन्वयकों एवं अधिकारियों– डॉ. जे. पी. मुयाल, डॉ. ललिता मेहरा, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. विभावरी, डॉ. अल्पा यादव एवं डॉ. अजय कंसल का विशेष योगदान रहा।

****

2.स्वच्छता ही सेवा-2024 : 29 मार्च को एन.एस.एस यूनिट 3 ने "स्वच्छता से सेवा तक" अभियान के अंतर्गत कासना के पास एक स्लम एरिया में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। यह पहल "स्वच्छता ही सेवा-2024"

'स्वच्छता ही सेवा-2024' की कुछ झलकियाँ

अभियान के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य स्वच्छता को व्यक्तिगत आदतों और सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करना था। इसके अतिरिक्त, अभियान के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया गया, जिससे स्वच्छता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का प्रयास किया गया।

****

3.पर्यावरण जागरूकता और क्रियान्वयन अभियान : 4 अप्रैल को एन.एस.एस. यूनिट 2 ने पर्यावरण जागरूकता और क्रियान्वयन अभियान के अंतर्गत एक पर्यावरण जागरूकता और कार्रवाई का कार्यक्रम एन.एस.एस. स्वयंसेवकों का दौरा आयोजन किया गया । पर्यावरण जागरूकता और क्रियान्वयन का उद्देश्य सबको पर्यावरण संरक्षण के प्रति समझ और -

पर्यावरण जागरूकता और क्रियान्वयन अभियान की कुछ झलकियाँ

सक्रियता बढ़ाना है । कार्यक्रम के स्वयंसेवकों ने शपथ ली कि वह हर क़ीमत पर पर्यावरण की सुरक्षा करेंगे और नई पीढ़ी को पर्यावरण से होने वाले फायदे भी बताएंगे । इसके अतिरिक्त इन्होंने जीबीयू सरोवर के पास के मैदान को भी साफ किया ।

****

विशेष समाचार

1. जीबीयू के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह की पहल से जिम्स में दर्द और कैंसर के मरीजों के लिए ओपीडी शुरू : 1 मार्च को राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स), ग्रेटर नोएडा में पेन थेरेपी और पैलिवेटिव केयर ओपीडी का उद्घाटन किया गया । जहाँ दर्द से परेशान और कैंसर के मरीजों को इलाज मिल सकेगा । यह ओपीडी जीबीयू के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह के पहल पर खोला गया है । जिसके लिए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा कि इस नेक पहल का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है । यह ओपीडी कई लोगों के लिए आशा की किरण होगी । संस्थान के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि पेन थेरेपी सेंटर दर्द से परेशान लोगों के लिए मील का पत्थर साबित होगा । तीन से चार माह लगातार दर्द से जूझ रहे पीड़ित लोगों को हर संभव मदद दिलाने के लिए इस सेंटर को शुरू किया गया है । उन्होंने बताया कि पैलिएटिव केयर ओपीडी में एक विशेष तरह की देखभाल मरीज की होगी, जिसमें कैंसर का पता चलते ही चिकित्सा उपचार शुरू हो जायेगा । इससे रोगियों की शारीरिक तकलीफों के साथ-साथ उनकी मानसिक समस्याओं से भी राहत मिलती है ।

****

शारदा विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित होते हुए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह

2. शारदा विश्वविश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह की शिरकत : 21 मार्च को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने शारदा विश्वविद्यालय में आयोजित 8वें नार्थ-ईष्ट कल्चरर फेस्ट 'बेलियाट्स कल्चर' (Beiliatus Culture) में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहें ।

****

कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ से कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह से मुलाकात के समय

3. कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ से कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह से मुलाकात: 28 मार्च को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री तथा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ जी से गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह की मुलाकात हुई । इस दौरान विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के विषय में गहन चिंतन-मनन किया गया ।

****

4.अंतर्राष्ट्रीय स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2025' में कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह : 21 से 23 अप्रैल तक गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि दादरी क्षेत्र के विधायक तेजपाल नागर, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, ग्लोबल चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सीईओ इंजीनियर आशीष गुप्ता, एक्सेस अरेबिया के प्रतिनिधि जेम्स तथा देश-विदेश से आए अनेक विशेषज्ञ, अधिकारी एवं शहरी नियोजन से जुड़े प्रतिनिधि जुड़े रहे ।

'अंतर्राष्ट्रीय स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2025' में कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह तथा अन्य

इस कार्यक्रम के पहले दिन विभिन्न शहरी विकास, स्मार्ट सिटी की अवधारणा, तकनीकी नवाचार और सार्वजनिक सेवाओं में डिजिटलीकरण जैसे विषयों पर मंथन किया गया । दूसरे दिन स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों के बचाव जैसे अहम् मुद्दों पर चर्चा की गई ।

****

5. सावित्री बाई फुले इंटर कॉलेज में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह की शिरकत : सावित्री बाई फुले इंटर कॉलेज में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण पर कार्यक्रम हुआ । इस दौरान पृथ्वी संरक्षण पर कई प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं । इस अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह मुख्य अतिथि रहें । संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. राजीव कुमार और उप-प्रधानाचार्य प्रीति फोगाट ने बताया कि पृथ्वी को स्वच्छ और सुंदर बनाने हेतु छात्राओं ने संकल्प लिया ।

*****

एडमिशन

1. विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ : आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 21 मार्च से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 4360 सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है । इस दौरान प्रवेश पुस्तिका का विमोचन और ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल का शुभारंभ किया गया ।

इस शैक्षणिक सत्र में विश्वविद्यालय ने 160 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें 10 नए पाठ्यक्रम जोड़े गए हैं। विश्वविद्यालय ने स्नातक, परास्नातक, इंटीग्रेटेड और शोध कार्यक्रमों में नवीन पाठ्यक्रमों की शुरुआत की है, जिनमें शामिल हैं:

1. बी.एससी. (ऑनर्स) क्लिनिकल साइकोलॉजी
2. मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स
3. एम.एससी. (ऑपरेशंस रिसर्च और कंप्यूटर एप्लीकेशंस)
4. एम.एस.डब्ल्यू (मेडिकल साइकियाट्रिक सोशल वर्क)
5. मास्टर ऑफ डिज़ाइन (इंटीरियर डिज़ाइन)
6. इंटीग्रेटेड बी.एससी.-एम.एससी. (आयुर्वेद बायोलॉजी)
7. इंटीग्रेटेड बी. प्लान – एम. प्लान
8. इंटीग्रेटेड एम.एससी.-पीएचडी (लाइफ साइंसेज एवं सिस्टम्स मेडिसिन)
9. बी.टेक. (मैकेनिकल इंजीनियरिंग वीकेंड)
10. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (साइको-सोशल रिहैबिलिटेशन)

प्रवेश-पुस्तिका का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी तथा प्रवेश समिति के अन्य सदस्य

2. जीबीयू में नए सत्र से खेल में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की शुरूआत : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में मास्टर इन फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्टस पाठ्यक्रम प्रारंभ हो रहा है । इस संदर्भ में प्रो. बंदना पाण्डेय ने कहा "मास्टर्स की पढ़ाई के दौरान छात्र जिम का मैंनेजमेंट, स्पोर्ट्स इंवेट के साथ ही कई आयोजनों के सफल आयोजन का तौर-तरीका भी सीख सकेंगे" । उन्होंने फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्टस के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कई छात्र लंबे समय से इस कोर्स के लिए माँग कर रहे थे । इन्हें मास्टर्स की पढ़ाई करने के लिए बाहर जाना पड़ता था । छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है ।

****

3. जीबीयू में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को जीवंत करने की पहल : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में भारत की प्राचीनतम् आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को फिर जीवंत करने की पहल की जा रही है । जीबीयू में नया शोध पाठ्यक्रम इंटीग्रेटेड बीएससी और एमएससी (आयुर्वेद बायोलॉजी) प्रारंभ हो रहा है । यह पहल कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह के नेतृत्व में हो रहा है । कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह के अनुसार यह पाठ्यक्रम शुरू करने का उद्देश्य आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से गंभीर बीमारियों का नए-नए शोध से इलाज संभव बनाना है।

****

पुरस्कार/उपलब्धियाँ

1. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय 'सीएसआर टॉप यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर' पुरस्कार से पुरस्कृत : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को सीएसआर मैगज़ीन द्वारा प्रतिष्ठित 'सीएसआर टॉप यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर' पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है, जो शिक्षा और सामाजिक विकास में उत्कृष्टता के लिए समर्पित एक अग्रणी प्रकाशन है। पुरस्कार समारोह 20 अप्रैल को होटल ले मेरिडियान, नई दिल्ली में हुआ। यह पुरस्कार गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह द्वारा प्राप्त किया गया । यह सम्मान विश्वविद्यालय के असाधारण शैक्षणिक प्रदर्शन और उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता, नवाचार, और समावेशिता की संस्कृति को पोषण में इसके निरंतर प्रयासों को मान्यता देता है।इस अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह पुरस्कार एक सामूहिक उपलब्धि है जो विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा, सामाजिक जिम्मेदारी और जीवन को बदलने वाले ज्ञान की खोज के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक योगदान में उच्च मानकों के लिए प्रयास जारी रखने के लिए मान्यता एक सम्मान और एक प्रेरणा दोनों के रूप में कार्य करती है।

'सीएसआर टॉप यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर' पुरस्कार प्राप्त करते हुए प्रो. राणा प्रताप सिंह

****

2. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्रों ने माइक्रोसॉफ्ट द्वारा आयोजित एग्रीटेक स्पेस हैकाथॉन में प्रथम स्थान प्राप्त किया : 8 मार्च को स्कूल ऑफ आई.सी.टी. के प्रतिभाशाली छात्रों की एक टीम ने माइक्रोसॉफ्ट द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित एग्रीटेक स्पेस हैकाथॉन में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विजेता टीम के सदस्यों में अच्युत कुमार पांडे (बी.टेक सीएसई, तृतीय वर्ष), गोविंद दुबे (बी.टेक सीएसई, तृतीय वर्ष), आदित्य श्रीवास्तव (बी.टेक सीएसई, तृतीय वर्ष) और मानस झा (बी.टेक आईटी, तृतीय वर्ष) शामिल रहें।
छात्रों ने पराली जलाने, उसके परिणामों और संभावित समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक अभिनव एआई मॉडल विकसित किया। उनके समाधान में हीट मैप्स और कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क (सीएनएन) सहित उन्नत एआई तकनीकों का उपयोग किया गया। उन्होंने अपने मॉडल की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए नासा फ़र्म्स, सेंटिनल 3 (ईएसए), हिमावारी 8 और इसरो भुवन जैसे स्रोतों से उपग्रह डेटा का भी लाभ उठाया।

एग्रीटेक स्पेस हैकाथॉन की तैयारी करते हुए छात्र

****

3. डॉ. अरविंद कुमार सिंह 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्किटेक्चर, आर्ट्स एंड एप्लिकेशंस' नामक प्रतिष्ठित शोध-पत्रिका के एसोसिएट एडिटर नियुक्त : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्किटेक्चर, आर्ट्स एंड एप्लिकेशंस (आईएसएसएन ऑनलाइन: 2472-1131 | आईएसएसएन प्रिंट: 2472-1107) शोध-पत्रिका विश्वभर के शोधकर्ताओं की एक संपादकीय टीम बनाए रखता है, ताकि प्रत्येक शोध पत्र को संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा किया जा सके। इसी क्रम में, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन संकाय में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अरविंद कुमार सिंह को इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका के एसोसिएट एडिटर के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति डॉ. सिंह के दीर्घकालीन शैक्षणिक अनुभव और बौद्ध अध्ययन के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करती है।

डॉ. अरविन्द कुमार सिंह

इस शोध-पत्रिका की संपादकीय टीम में शामिल होकर डॉ. सिंह को विश्व स्तर के विद्वानों के साथ कार्य करने, नवीनतम शोध कार्यों की अग्रिम जानकारी प्राप्त करने, और अपने विषय में अनुसंधान की दिशा को प्रभावित करने का अवसर मिलेगा।

****

प्रोजेक्ट

1.बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अरविन्द कुमार सिंह को आईसीएसएसआर से 'कुशोक बकुला रिनपोछे एंड द कल्चरल रिवाइवल ऑफ बुद्धिज्म इन मंगोलिया एंड रसिया' विषय पर रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ है ।

2. बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चन्द्रशेखर पासवान को आईसीएसएसआर से 'भारतीय मूर्तिकला का दक्षिण-पूर्व एशिया बौद्ध देशों पर प्रभाव : एक प्रासंगिकता' विषय पर रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ है ।

****

डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि

मार्च-अप्रैल माह में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के निम्नलिखित छात्रों को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की उपाधि प्राप्त हुई है

1· संदीप कुमार, स्कूल ऑफ आई.सी.टी.
2· रोशन लाल, स्कूल ऑफ आई.सी.टी.
3· प्रिया शर्मा, स्कूल ऑफ आई.सी.टी.
4· सुनाक्षी वर्मा, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
5· नवोदिता चौधरी, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
6· ह्युन्ह थान्ह लियम, बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग
7· व्रतिका सिंह, स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ एंड अप्लाइड साइंस
8· हिमांशू, स्कूल ऑफ लॉ, गवर्नेंस एंड सीविलाइजेशन
9· आरती छपराना, स्कूल ऑफ लॉ, गवर्नेंस एंड सीविलाइजेशन
10· विजय पाल, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
11· श्वेता आर्या, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
12· वरूण दीक्षित, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
13· शालिनी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
14· मोनिका, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
15· गौरव, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
16· विजय पाल, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
17· सुप्रिता कुमार सिन्हा, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

****

प्लेसमेंट

मार्च-अप्रैल माह में स्किल वेदा प्राइवेट लिमिटेड, इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड, एमएक्यू सॉफ्टवेयर, एएजे एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, इन्फो एज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, सूर्या रोशनी लिमिटेड, पॉलिसीबाजार, एचसीएल, टेकस्निच प्राइवेट लिमिटेड और सीएंडएस इलेक्ट्रिक ने 2024 और 2025 बैचों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किए हैं और इन प्लेसमेंट ड्राइव में 20 से अधिक छात्रों का चयन हुआ है।

****

ध्यान से ज्ञान प्राप्त होता है; ध्यान की कमी अज्ञानता लाती है. अच्छी तरह जानो क्या तुम्हे आगे ले जाता है और क्या तुम्हे रोके रखता है, और उस मार्ग को चुनो जो बुद्धिमत्ता की और ले जाता हो.

भगवान बुद्ध

संपादकीय-मंडल

प्रमुख संरक्षक : प्रो. राणा प्रताप सिंह, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

संरक्षक : डॉ. विश्वास त्रिपाठी, कुलसचिव, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

मुख्य संपादक : प्रो. बंदना पांडेय, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

संपादक : डॉ. रेनू यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

डिज़ाइनिंग: श्री राजकुमार, तकनीकी अधीक्षक, सीसीसी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

शिक्षणेत्तर सहयोगी : अमित, कार्यालय सहायक, कुलपति ऑफिस, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

नोट : यह न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने हेतु सूचना मात्र है, न कि कानूनी दस्तावेज़ ।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
नियर यमुना एक्सप्रेस-वे, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर
उत्तर प्रदेश-201312 (भारत) फ़ोन नं.: 0120-2344200